सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक - 13

जून - 2021

चयनित आदर्श गाँव

यदि समाज का हर व्यक्ति शिक्षित होगा तभी वह समाज के प्रति दायित्वों को पूरा करने में समर्थ होगा।

– पं. दीनदयाल उपाध्याय

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

www.suryafoundation.org

बसई, काशीपुर - उत्तराखण्ड

आत्मनिर्भर भारत के तहत रोजगार

कोरोना महामारी के समय जहाँ सभी लोग आजीविका के लिए इधर-उधर भटक रहें हैं वहीं आदर्श गाँव बसई का मंझरा, जिला उधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड) में सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे 5 स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गाँव की 60 महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। समूह के कार्यों की समीक्षा व आगामी कार्य योजना के लिए प्रत्येक माह बैठक की जाती है। जिसमें समूह की सभी महिलाएँ उपस्थित रहती हैं।

पाँच स्वयं सहायता समूहों को मिलाकर गाँव में एक ग्राम संगठन का निर्माण भी किया गया है। इस माह समूह की बैठक में राज्य आजीविका मिशन की ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर प्रीति जी व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं के सहयोग से समूहों को बैंक द्वारा एक-एक लाख रुपये का लोन उपलब्ध कराया गया।

इन पैसों से स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्यों ने रोजगार शुरू किया है। स्वयं सहायता समूह को मिले लोन के पैसे को प्रत्येक माह निर्धारित राशि के अनुसार वापस करने की योजना बनी। समूह को मिले लोन पर सरकार के द्वारा कोई ब्याज नहीं लगाया जाएगा। एक समूह की महिलाओं द्वारा धूपबत्ती बनाने व गोपालन का कार्य शुरू किया गया। दूसरे समूह द्वारा सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया गया है। दोनों समूह की 25 महिलाओं को रोजगार मिला है। सभी महिलायें आज 4-5 हजार रुपये प्रतिमाह कमा लेती हैं।

अन्य कार्य :

- **युवा समिति द्वारा पूरे गाँव में सैनेटाइजर का छिड़काव किया गया।**
- **जल संरक्षण के लिए किसानों की बैठक की गई।**
- **16 जून से 21 जून गाँव के सभी परिवारों में योग सप्ताह मनाया गया।**
- **विश्व पर्यावरण दिवस पर गाँव में सार्वजनिक स्थान पर वृक्षारोपण किया गया।**

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें

Facebook : Adarshgaonbasai

जल भराव की समस्या से मिली मुक्ति

बारिश का मौसम आते ही गाँव की गलियों में जल भराव की समस्या शुरु हो जाती है। पानी के ठहराव से उनमें मच्छर पनपते हैं, इससे कई तरह की बीमारियाँ पैदा होती हैं। गोरखपुर के लोनाँव गाँव में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना की टीम अग्रसर होकर जल भराव की समस्या के समाधान हेतु कदम बढ़ाया है।

फाउण्डेशन की टीम ने गाँव की गलियों में हुए गड्ढों पर मिट्टी डालने का कार्य किया। ग्राम प्रधान बिट्टू राय जी, सेवाभावी भगवान दास जी, दान बहादुर जी एवं अभिषेक जी आदि लोगों की देखरेख में यह कार्य किया जा रहा है। साथ ही जरूरतमंद लोगों के भरण-पोषण हेतु गरीब परिवारों को गाँव में ही रोजगार देने के उद्देश्य से मनरेगा जॉब कार्ड भी बनवाया गया। जिससे उन्हें वर्ष में 90 दिन का काम गाँव में ही मिलेगा।

ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा के तहत ही नाली बनाने एवं खड़ंजा बिछाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे जॉब कार्ड धारक गाँव में ही रह कर लाभ ले रहे हैं। गाँव के मजदूर भाईयों को काम के लिए दूसरे शहर पलायन नही करना पड़ता। गाँव के प्रति लोगों का अपनापन बढ़ा है। ग्राम प्रधान जी का कहना है कि आने वाले दिनों में हमारा गाँव जल निकासी रास्ता एवं स्वच्छता की दृष्टि से ब्लॉक में चयनित गाँवों में अवश्य स्थान प्राप्त करेगा।

अन्य कार्य :

- **कोरोना महामारी को लेकर जागरुकता अभियान चलाया गया।**
- **योग दिवस के अवसर पर 80 परिवारों ने योग अभ्यास किया।**
- **15 खेतों में मेड़बंदी करायी गयी।**
- **सेवाभावियों के द्वारा मास्क वितरण।**
- **3 जॉब कार्ड बनवाये गये।**

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonlonav

फफूँडा, मेरठ - उत्तर प्रदेश

पोषण वाटिका हेतु नि:शुल्क बीज वितरण

मनुष्य जीवन में कुछ बुनियादी बाते होती हैं, उनमें से स्वास्थ्य सबसे प्रमुख है। आज बढ़ते प्रदूषण और पेस्टिसाइड केमिकल के उपयोग से खाद्य पदार्थों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है संतुलित और पोषक तत्वों से युक्त भोजन। सभी स्वस्थ हों, सभी निरोगी हों इसके लिए सूर्या फाउण्डेशन लगातार प्रयास कर रहा है। हमारे भोजन में सब्जियाँ हमारे शरीर को तंदुरुस्त रखने में मदद करती हैं।

बाजारों में आजकल सभी तरह की सब्जियाँ मिलती हैं। पर जरुरी नही हैं कि वह ताजी और जैविक हों। सभी लोगों को भोजन में ताजी और पौष्टिक सब्जियाँ मिले इस उद्देश्य से सूर्या फाउण्डेशन द्वारा हर-घर पोषण वाटिका अभियान चलाया जा रहा है। गाँव फफूँडा में भी लोगों का स्वास्थ्य कैसे अच्छा रहे लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हों इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा इस गाँव के 40 परिवारों का चयन कर पोषण वाटिका बनाने हेतु लौकी, तोरई, गाजर, भिंडी, पालक आदि सब्जियों के उन्नत किस्म के नि:शुल्क बीज बांटे गये।

इससे ताजी, हरी सब्जियों के लिए घर में खाली पड़ी जगह में ही किचन गार्डन (पोषण वाटिका) बना कर परिवार के लिए मौसमी एवं जैविक सब्जियाँ उगा सकते हैं। घर पर ही पोषण वाटिका बनाने से स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी काफी मदद मिलेगी। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा किये जा रहे कार्यों की गाँव के लोग बहुत प्रंशसा कर रहे हैं।

पिछले वर्ष भी सूर्या फाउण्डेशन ने देश के 10 गाँवों के 500 से अधिक परिवारों को पोषण वाटिका हेतु सब्जियों के बीज वितरित किए थे, जिसके अच्छे परिणामों के बाद इस वर्ष भी और 1500 परिवारों को बीज वितरित किया जा रहा है।

अन्य कार्य :

- **यूथ क्लब के भैयाओं द्वारा गाँव के मुख्य मार्ग की साफ-सफाई की गई।**
- **पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया।**
- **संस्कार केन्द्र के बच्चों की ऑनलाइन क्लास कराई गई।**
- **युवा ग्राम समिति गठित की गई।**

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें

Facebook : Adarshgaonfafunda

सलोई, विदिशा - मध्य प्रदेश

जागरुकता अभियान : जल संरक्षण

समाजसेवी संस्था सूर्या फाउण्डेशन द्वारा देश के 18 राज्यों के अलग-अलग गाँवों में ग्राम विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। संस्था गाँव के संपूर्ण विकास को लेकर मुख्यत: पाँच आयामों को लेकर निरंतर कार्य कर रही है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वावलंबन है। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के गाँव सलोई में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पिछले 6 वर्षों से ग्राम विकास के आयामों को लेकर कार्य चल रहा है।

सलोई गाँव में पिछले वर्षों में किसानों को जल संरक्षण के लिए जागरुक किया गया था, जिसके परिणाम स्वरूप सलोई के किसानों ने अपने खेतों में पानी के गड्ढे का निर्माण कराना शुरू किया। पहले गाँव के कुछ किसान ही आगे आए थे। धीरे-धीरे गाँव में जागरुकता आई। गाँव में जल स्तर बहुत नीचे है। पीने के पानी को लेकर भी समस्या सामने खड़ी है।

संस्था से प्रेरित होकर आज गाँव में 30 किसानों ने अपने खेतों में पानी के गड्ढों का निर्माण कराया। इससे गाँव के जल स्तर में भी सुधार आएगा, साथ ही किसान सिंचाई के लिए भी बरसात के पानी को इकट्ठा कर सकेंगे। विदिशा जिले के अधिकारियों ने इस कार्य के लिए किसानों की प्रशंसा की और आग्रह किया कि गाँव के सभी किसान मिलकर जल संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण भी करें, जिससे जल संकट की समस्या से छुटकारा मिल सके।

फाउण्डेशन द्वारा प्रत्येक वर्ष कुछ बड़े अभियान भी लिए जाते हैं जिनमें वृक्षारोपण, जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान आदि हैं। वर्षा के दिनों में जून माह से अगस्त माह तक सूर्या फाउण्डेशन द्वारा जल संरक्षण और वृक्षारोपण को लेकर विशेष रूप से जागरुकता अभियान चलाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह अभियान जगह-जगह चलाए जा रहे हैं।

अन्य कार्य :

- **गाँव में वैक्सीनेशन के लिए कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें सभी गाँव वालों ने वैक्सीन लगवाई।**
- **गाँव के 10 किसानों को गंज बासौदा ब्लॉक से मूंग के बीज सब्सिडी पर उपलब्ध कराये गये।**

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonsaloi

मूण्डला, सीहोर - मध्य प्रदेश

100 प्रतिशत हुआ वैक्सिनेशन

पिछले वर्ष से लेकर अब तक कोरोनाकाल में सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं ने सरकारी गाइडलाइंस का पालन करते हुए भी गाँव में जाकर लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरुक किया। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के मूण्डला गाँव में सरपंच प्रतिनिधि श्री कैलाश पटेल जी के प्रयास और सेवाभावियों के सहयोग से कोरोना के प्रति जागरुकता को लेकर अभियान चलाया गया। लोगों को मास्क, सैनिटाइजर वितरण के साथ-साथ शारीरिक दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई।

देश में वैक्सिनेशन का काम बहुत जोरों से चल रहा है। कई गाँव में अफवाह फैलाकर वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में शंका पैदा की गयी। ऐसी ही स्थिति गाँव मूण्डला में थी, लेकिन सभी के सहयोग से मूण्डला में वैक्सिनेशन का भी अभियान चलाया गया और लोगों को घर-घर जाकर वैक्सीन के फायदे बताये गये। पंचायत के प्रयास से सीहोर जिले के कलेक्टर ने मूण्डला पंचायत को शत प्रतिशत वैक्सिनेशन के लिए भी चुना।

सरपंच प्रतिनिधि श्री कैलाश पटेल जी व सूर्या फाउण्डेशन टीम और सेवाभावियों ने गाँव के प्रत्येक परिवार में जाकर लोगों को वैक्सीन लगवाने का आग्रह किया। गाँव में 13 जून 2021 को वैक्सिनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में जिले डॉक्टरों की टीम ने आकर पूरे गाँव में दो सेंटर बनाकर वैक्सिनेशन किया। लोगों ने इस दिन को वैक्सिनेशन दिवस के रुप में मनाया। मूण्डला पंचायत सीहोर जिले की पहली पंचायत बनी जिसने शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराया।

अन्य कार्य :

- **ग्राम पंचायत के सहयोग से तालाब गहरीकरण का कार्य पूरा किया गया।**
- **गौशाला का सौंदर्यीकरण कराया गया।**
- **स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा पापड़ बनाने का कार्य।**

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonmundla

बेजुबानों के लिए आगे आये ग्रामवासी

अन्य कार्य :

- विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया।
- पोषण वाटिका के लिए 50 परिवारों के रजिस्ट्रेशन किए गए।
- 15 से 21 जून तक प्रतिदिन योगाभ्यास में 150 परिवारों ने भाग लिया।
- फेसबुक लाइव, वेबिनार में सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएँ, सेवाभावी, यूथ क्लब के युवा, शिक्षक, सिलाई केन्द्र की बहनें आदि की सहभागिता रही।

पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों के साथ-साथ पक्षियों की अहम् भूमिका होती है। वर्तमान समय में मनुष्य द्वारा पर्यावरण को पहुँचाई जा रही हानि के चलते पक्षियों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है। यदि हम जल्दी नहीं समझे तो स्थिति भयानक हो सकती है। मनुष्य के द्वारा कीटनाशक के बढ़ते प्रयोग से जहाँ पक्षियों की संख्या में कमी होती जा रही है वहीं बहुत से पक्षियों की प्रजाति भी विलुप्त होने के कगार पर है।

दूसरी तरफ मनुष्य अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए पेड़ों की कटाई भी कर रहा है, इससे पक्षियों को घोंसले बनाने के लिए न ही जगह बची है और ना ही पर्याप्त भोजन पानी। गर्मियों के मौसम में नदी, नाले, तालाब सूख जाते हैं, जिससे चिड़िया पानी के बगैर मर जाती हैं। यदि हम एक कटोरा पानी भरकर छत या पेड़ों पर रख दें तो बहुत से पक्षियों को जीवनदान मिल सकता है। मनुष्य के अंदर पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता एवं लगाव होना जरूरी है। बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा एवं उनकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

नगलावर गाँव की सूर्या यूथ क्लब के कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग टीम बनाकर गली-मोहल्लों व सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना पानी का पात्र रखने का काम किया। आस-पास रहने वाले लोगों व बच्चों को इस पात्र में रोजना दाना-पानी भरने की जिम्मेदारी भी दी गयी।

इससे प्रेरित होकर गाँव के 25 लोगों ने पक्षियों के दाना-पानी के लिए टीन के पीपा और मिट्टी के बने बर्तनों में दाना पानी भरकर अपनी छत व छायादार पेड़ों पर रखकर पुण्य कार्य किया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी इन पात्रों में दाना-पानी समय-समय पर भरने की जिम्मेदारी ली।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonnaglawar

पेण्ड्री, राजनांदगाँव-छत्तीसगढ़

सिलाई केन्द्र के सहयोग से मास्क वितरण

पूरे देश ने कोरोना वायरस की दूसरी लहर को गाँव से लेकर शहर तक ने बड़े ही करीब से देखा है। जिसमें अधिकतर परिवारजनों ने अपने किसी ना किसी स्वजन को खोया है। इस कठिन समय से लोगों को सावधानी और सतर्कता बरतने से ही मुक्ति मिली है। वहीं शोधकर्ताओं के अनुसार कोरोना महामारी की तीसरी लहर को आने में कुछ ही समय और बाकी है। तीसरी लहर से कम से कम नुकसान हो इसके लिए हम सभी को अभी से ही अत्यंत सतर्कता एवं सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

वर्तमान की परिस्थिति को देखते हुए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव पेण्ड्री के सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की माताओं-बहनों द्वारा मास्क तैयार किया गया। युवाओं द्वारा प्रत्येक सप्ताह कोरोना महामारी के जागरुकता अभियान के साथ-साथ जरूरतमंद 400 से अधिक ग्रामवासियों को नि:शुल्क मास्क भी वितरित किया गया।

साथ ही साथ मास्क को प्रतिदिन अच्छी तरह साबुन से धोना, मास्क के बगैर घर से बाहर नहीं निकलना, शरीरिक दूरी का पालन करना इत्यादि को बड़ी गंभीरता के साथ लोगों को समझाया गया। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के विभिन्न प्रकल्पों से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं, बच्चों, युवाओं और महिलाओं को भी नि:शुल्क मास्क उपलब्ध कराए गए। ताकि आने वाली तीसरी लहर को रोका जा सके। साप्ताहिक जन-जागरूकता के समय गाँव में माइक द्वारा एनाउंसमेंट, आयुर्वेदिक काढ़ा बनाने के पत्रक वितरण एवं गाँव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के समय कोरोना महामारी से बचाव हेतु शारीरिक दूरी का पालन हो इसके लिए समय-समय पर अभियान चलाया जा रहा है।

अन्य कार्य :

- **पौधारोपण हेतु पंचायत के सहयोग से वन अधिकारी को प्रस्ताव दिया गया।**
- **योग दिवस पर गाँव के 190 परिवारों ने योगाभ्यास किया।**
- **संत कबीरदास जी की जयंती पर सामूहिक सत्संग एवं प्रसाद वितरण का आयोजन।**
- **सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के नए बैच हेतु बैठक कर 20 बहनों का चयन किया गया।**

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonpendri

मास्क व सैनिटाइजर का वितरण

बहादुरगढ़। नया गांव में मास्क सेनिटाइजर बांटते अभिषेक व जतिन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सूर्या फाउंडेशन ने नया गांव व सूर्या रोशनी में मास्क व सेनिटाइजर का वितरण किया। सेवा प्रमुख अभिषेक व शिक्षक जतिन सैनी ने बताया कि हमें मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलना है। बार-बार धोने व सेनिटाइज करने हैं। अपने साथ-साथ अपने परिवार की भी सुरक्षा हमारे हाथों में है। एक दूसरे से उचित दूरी बनाकर रखें और बिना आवश्यक कार्य के घर से बाहर न निकले।

अन्य कार्य :

- गाँव में किसानों को धान के बीज का वितरण किया गया।
- प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र की पुनः शुरुआत की गयी।
- सभी परिवारों के सदस्यों ने 21 जून 2021 को योग दिवस के उपलक्ष्य पर योगाभ्यास किया।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए चयनित आदर्श गाँव नयागाँव में मास्क व सैनेटाइजर का वितरण किया गया। जिससे कोरोना महामारी से खुद की सुरक्षा के साथ-साथ आसपास के रहने वालों को भी सुरक्षित रखा जा सके। इस कार्यक्रम में अभिषेक जी (सेवा प्रमुख) व जतिन (शिक्षक) उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम के दौरान अभिषेक जी ने बताया कि हमें भीड़ वाले स्थान पर हमेशा मास्क लगा के रखना चाहिए। समय-सयम सैनिटाइजर भी हाथ में लगाना चाहिए। बाहर से जब भी आए तो अपने कपड़ों को अवश्य धुलें। अपने हाथों को सैनिटाइज करें। इससे हम अपने साथ-साथ अपने परिवार को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए हमें समय-समय पर अपने हाथ को पानी से अच्छी तरह से धोना चाहिए, जिससे हमारे हाथों में लगी गंदगी साफ हो सके और कोरोना का संक्रमण कम हो सके। एक दूसरे से उचित दूरी बनाकर रखें। बिना आवश्यक कार्य के घर से बाहर ना निकले घर पर रहें, सुरक्षित रहें। आप सुरक्षित तो आपका परिवार सुरक्षित, परिवार सुरक्षित तो राज्य सुरक्षित, राज्य सुरक्षित तो देश सुरक्षित।

हम सबने यह ठाना है,
कोरोना से देश को बचाना है।

Documentary Video

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonnayagaon

नांदियाकल्ला, जोधपुर-राजस्थान

पीपल व बरगद के पौधों का रोपण

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। विश्व में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत की गयी। पिछले कुछ सालों से लगातार प्रदूषण का स्तर बढ़ने से इंसान का जीवन खतरे में है। पर्यावरण को नुकसान के कारण कई जीव जंतु विलुप्त हो रहे हैं और साथ ही सभी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

वर्तमान समय में चल रही कोरोना महामारी से अपने गाँव को बचाने तथा पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए चयनित आदर्श गाँव नांदियाकल्ला में सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा से महाराणा प्रताप यूथ क्लब के युवाओं ने जंगलों को नया जीवन देने की पहल की है। साथ ही पौधे लगाकर, बारिश के पानी को संरक्षित कर और तालाबों का निर्माण कर पर्यावरण को बचाने का का काम शुरु किया है।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर 101 वट वृक्ष तथा पीपल के पौधे लगाकर इसकी शुरुआत की गयी। इस अवसर पर श्रीमान गोविंद सहाय शुक्ला जी (वाइस चांसलर आयुर्वेद विश्व विद्यालय, जोधपुर) ने बताया कि अपने भारत की परंपरा वृक्षों को पूजने की रही है साथ ही उन्होंने पर्यावरण के महत्व के बारे में भी ग्रामीणों को बताया इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए अनुकरणीय कार्य करने वाले बंधुओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया।

आओ मिलकर पेड़ लगायें,
हरा-भरा यह गाँव बनायें।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonnandiyakalla

अन्य कार्य :

- 1 तालाब की खुदायी का कार्य शुरु हुआ।
- अँग्रेजी बबूल की कटाई एवं सफाई की गयी।
- 18 वर्ष के ऊपर के लोगों को वैक्सीन लगाने का काम शुरु हुआ।
- योगा दिवस मनाया गया 60 परिवारों ने योगाभ्यास किया।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए एक नर्सरी की शुरुआत।

कादीपुर, वाराणसी-उत्तर प्रदेश

ग्राम पंचायत के सहयोग से बांध का निर्माण

सैनिटाइजर का छिड़काव

अन्य कार्य :

- योग दिवस के अवसर पर गाँव के 262 परिवारों ने योगासन किया।
- विश्व पर्यावरण दिवस पर 21 फलदार पौधे गाँव के स्कूल में लगाये गये।
- गाँव में सैनिटाइजर का छिड़काव कराया गया।

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित आदर्श गाँव कादीपुर का बारिश के मौसम में जल भराव के कारण अन्य गाँवों (फतरपुर, नकाईन) तथा बाजारों से सम्पर्क टूट जाता था। इस समस्या से निपटने के लिए सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा से ग्राम प्रधान व सेवाभावियों ने मिलकर एक बांध का निर्माण कराया।

यह कार्य पूरा होने से आवागमन में ग्रामीणों को होने वाली पेरशानी से आगे निजात मिली है। सभी ग्रामीणों ने इस कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें संस्था के मंजीत जी, संतोष जी, पेड़ा लाल जी, रामकोमल जी सहित अनेक लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ग्रामीणों ने सभी का धन्यवाद किया।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonkadipur

समाचार पत्रों की कटिंग...

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पक्षियों के लिए लगाये गये परिंडे

दैनिक अयोध्या टाइम बांके शर्मा

फरह। (मथुरा) पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए पेड़ पौधों के साथ–साथ पक्षियों की भी अहम भूमिका होती है लेकिन वर्तमान समय में मनुष्य द्वारा पर्यावरण को पहुंचाई जा रही हानि के चलते पक्षियों की संख्या में तेजी से कमी होती जा रही है यदि हम जल्दी नहीं समझे तो स्थिति भयानक हो सकती है। मनुष्य के द्वारा कीटनाशक के बढ़ते प्रयोग से पहुंच चुकी है दूसरी तरफ मनुष्य अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए पेड़ों की कटाई कर रहे हैं परिणाम यह है कि लगातार पेड़ों की कटाई होने से बर्षा समय से नहीं हो रही है पेड़ों की संख्या कम होने के कारण ना ही पक्षियों को घोंसले बनाने के लिए जगह रही है और ना ही पर्याप्त मात्रा में भोजन पानी मिल रहा है।

गर्मी का मौसम विशेषकर पक्षियों के लिए बहुत ही कष्टदायक हो रहा है इस समय नदी नाले पोखर में पानी बचाया जा सकता है कम से कम एक कटोरा पानी भरकर कहीं छाया स्थान पर या छत पर या पेड़ पर रख दें तो बहुत से पक्षियों की जान बच सकती है। इस विषय को ध्यान में रखकर गांव नगलावर के सेवा भावी युवाओं ने मिलकर पक्षियों के दाना पानी के लिए टीन के पीपा के बर्तन और मिट्टी के बने बर्तनों में दाना पानी भरकर अपनी छत व छायादार पेड़ों पर रखकर पुण्य का कार्य किया ताकि कर्मियों

शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराने वाली जिले में पहली ग्राम पंचायत बनी मूंडला

सुशील मालवीय • इछावर

मो.नं. 9340684657

कुछ अफवाहों के चलते जहां लोग कोविड -19 का टीका लगवाने में गुरेज कर रहे हैं। वही ग्राम पंचायत मूंडला के शतप्रतिशत ग्रामीणों ने टीकाकरण करवा लिया गया है। जिले की संभवतः यह पहली पंचायत है जिसने सबसे पहले 100 प्रतिशत लोगों को वैक्सीनेशन कराने का गौरव प्राप्त किया है। हालांकि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों की जागरूकता के साथ ही पंचायत को थोड़ी सी सख्ती दिखानी पड़ी।

शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और विकास कार्यों में जनपद क्षेत्र में अपनी विशिष्ठ पहचान बनाने वाली ग्राम पंचायत मूंडला ने कोविड-19 के वैक्सीनेशन में भी अपना परचम लहरा दिया है। दरअसल यहां शत प्रतिशत ग्रामीणों का टीकाकरण हो चुका है। पंचायत क्षेत्र के तहत आने वाले गांव मूंडला और बागनखेड़ा के 18 वर्ष से अधिक आयु वाले 997 लोगों ने से 29 गर्भवती महिलाओं को छोड़कर शेष सभी 968 लोगों ने पिछले दिनों केंद्र पर पहुंच कर कोरोना का टीका लगवा लिया है। टीकाकरण को लेकर ग्रामीणों की जागरूकता की

बादौलत आज मूंडला पंचायत ने क्षेत्र की पहली शतप्रतिशत वैक्सीन कराने वाली पंचायत होने की उपलब्धि हासिल की है।

पहले की मनुहार फिर दिखाई सख्ती

शतप्रतिशत ग्रामीणों को वैक्सीनेशन का लक्ष्य हासिल करने के लिए लोगों की जागरुकता के साथ ही पंचायत को थोड़ी सख्ती भी दिखानी पड़ी। इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि कैलाश पटेल ने बताया कि प्रशासन ने पंचायत में 100 प्रतिशत टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इसके लिए एसडीएम विष्णु यादव सहित अन्य अधिकारियों ने गांव में आकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की और उन्हें टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। पंचायत ने भी अपने स्तर पर एक टीम का गठन किया।

टीम द्वारा डोर टू डोर जाकर लोगों को जागरूक करने के साथ ही वैक्सीन के लिए उनसें मनुहार की गई। इसके बाद लोगों ने भी जागरूकता दिखाई ओर नतीजन पहले ही कैंप में करीब 70 प्रतिशत ग्रामीणों का टीकाकरण हो गया। शेष 30 फीसदी लोगों से टीम लगातार संपर्क करती रही इनमें से अधिकांश लोग तो टीकाकरण के लिए तैयार हो गए जबकि कुछ लोग पूरी तरह से इंकार कर रहे थे। ऐसे में पंचायत ने इन लोगों को चिन्हित कर नोटिस जारी किया जिसमें बिना वैक्सीन वालों को पंचायत से मिलने वाली सुविधाओं पर रोक लगाने की चेतावनी दी गई थी। चेतावनी और मेहनत रंग लाई आलम यह रहा कि रविवार को गांव में लगे दूसरे टीकाकरण कैंप में सभी लोगों ने टीकाकरण करवा लिया।

दिव्यांग को घर जाकर लगाया गया टीका

लक्ष्य हासिल करने के लिए स्वास्थ्य अमला भी काफी सक्रिय दिखाई दिया। मूंडला की दिव्यांग महिला इमरत बाई पति दशरथ सिंह ने जब केंद्र पर आकर वैक्सीन लेने मे असमर्थता जताई तो एएनएम अनीता मालवीय महिला को टीका लगाने उनके घर ही पहुंच गई, जहा दिव्यांग महिला का टीकाकरण किया गया। इस उपलब्धि को हासिल करने मे कैलाश पटेल, मेडिकल आफिसर डॉक्टर अनुज महेश्वरी, सुपर वाइजर गुलाब सिंह परमार, सीएचओ पूनम भलावी, एएनएम अनीता मालवीय, एमपीडब्ल्यू महेश गेहलोत, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनीता ठाकुर, बीएलओ अजबसिंह, पटवारी बद्री प्रसाद, शिक्षक गुलाब सिंह ठाकुर, बनवीर, मुकेश परमार, कल्याण ठाकुर आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ग्रामीणों ने जागरूकता व गांव ने दिखाई थोड़ी सी शक्ति

फरह (श्रीजी एक्सप्रेस ब्यूरो)। फरह के नगलावर में लोगों ने लगवाए कोविड-19 के टीका कुछ अफवाहों के चलते जहां लोग कोविड-19 का टीका लगवाने में गुरेज कर रहे हैं वहीं गाँव नगलावर के ग्रामीणों ने टीकाकरण करवा लिया गया है खण्ड की संभावना है पहला गाँव है जिसने सबसे पहले लोगों को वैक्सीनेशन कराने का गौरव प्राप्त किया है हालांकि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों जागरूकता के साथ ही गाँव में सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने थोड़ी सी शक्ति दिखाने पड़ी शासन की योजना के बेहतर क्रियान्वयन और विकास कार्यों में खण्ड में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाला पहला गाँव नगलावर ने कोविड-19 के वैक्सीनेशन में भी अपना परचम लहरा दिया है सूर्या फाउंडेशन की टीम ने घर-घर जाकर वैक्सीनेशन टीकाकरण के लिए जागरूकता का कार्य किया जिसमें 18 साल से ऊपर के युवाओं एवं 45 साल से ऊपर लोगों ने भाग लिया इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राधा,कुवँर सिंह मास्टर, केन्द्रपाल, ईश्वरी प्रसाद, कृष्ण गोपाल उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन ने नया गांव में मास्क और सैनिटाइजर बांटे

लोगों को सैनिटाइजर व मास्क वितरित करते सूर्या फाउंडेशन के सदस्य। • विज्ञप्ति

बहादुरगढ़ : सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श गांव योजना के अंतर्गत कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए चयनित आदर्श गांव नया गांव में सूर्या रोशनी व फाउंडेशन ने मास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया। फाउंडेशन के आदर्श गांव सेवा प्रमुख अभिषेक व शिक्षक जतिन सैनी ने बताया कि हमें भीड़ वाले स्थान पर हमेशा लगाकर रखना चाहिए। सैनिटाइजर से हाथ को बार-बार साफ करना चाहिए। बाहर से जब भी आए तो कपड़ों को धोकर धूप में सुखा देना चाहिए। अपने साथ-साथ परिवार की भी सुरक्षा का ध्यान रखना है। महामारी से बचने के लिए हमें हर घंटे में अपने हाथ साबुन से धोने चाहिए। घर से जरूरी होने पर ही बाहर निकलें। उचित दूरी बनाकर रखें। (जासं)

नांदिया कलां में युवाओं ने शुरु की वीर दुर्गादास नर्सरी

इस बार की थीम है घर-घर सहजन

नवज्योति/सोयला।

नांदिया कला सूर्या फाउंडेशन तथा महाराणा प्रताप वृक्ष क्लब संचालित वृक्षारोपण अभियान के तहत आज युवाओं ने एक नई पहल की शुरुआत करते हुए मारवाड़ के वीर दुर्गादास के नाम से नर्सरी का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर युवा सरपंच जसवंत सिंह भाटी ने युवाओं से आह्वान किया कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए समाज में जो समस्याएं दिखाई दे रही है। उनका एकमात्र समाधान प्रकृति का संरक्षण करना है, परंतु हम सबने ठाना है प्रकृति के संरक्षण के साथ-साथ प्रकृति का संवर्धन भी हो और

इस कार्य के लिए हम सबको आगे आना है। इसी कड़ी में युवाओं ने एक नई पहल करते हुए अपने स्तर पर नई नर्सरी का निर्माण किया।

इस नर्सरी के कार्य में अलग-अलग प्रकार के पौधे लगाकर उनका उपयोग गांव के हित में हो ग्रामवासियों को वृक्ष उपलब्ध हो ध्यान कार्य किय आदर्श गांव नांदिया घर गिलोय इस बा सहजन, सहजन की उपयोगिता तथा इनके औषधीय गुणों को देखते हुए इसका व्यापक प्रचार प्रसार के साथ-साथ इसकी उपलब्धता करना सबने ठाना है। इस कार्य के लिए गांव के भामाशाह ने लोहे के पाइप तार इसको पर लगने वाली ग्रीन जाल की व्यवस्था की है।

यह रहे मौजूद

उद्घाटन के कार्यक्रम में दलपत सिंह भाटी, पूर्व सैनिक रतन लाल सेन, पूर्व सैनिक, नारायण सिंह भाटी पुलिस विभाग, पुखराज आखड़ नेवरा, चंपालाल सोनी, गणपत राम मेघवाल, घनश्याम सोनी, समद अली, बाबूलाल

sf10idealvillage